केन-बेतवा लिंक से मध्यप्रदेश के बुंदेलखंड में 10 जिलों को मिलेगा लाभ

भोपाल। केन–बेतवा लिंक परियोजना बुन्देलखंड क्षेत्र के सामाजिक आर्थिक विकास के लिये केन्द्र सरकार द्वारा 44,605 करोड़ रूपये की स्वीकृति प्रदान की गई। परियोजना को 8 वर्षों में पूर्ण किया जाना है। परियोजना की कुल लागत में मध्यप्रदेश का हिस्सा लगभग 24,300 करोड़ रूपये का है। परियोजना के प्रथम चरण एवं द्वितीय चरण से मध्यप्रदेश के बुन्देलखण्ड के 10 जिलों क्रमश छतरपुर, पन्ना, दमोह टीकमगढ, निवाड़ी, शिवपुरी, दतिया, रायसेन, सागर एवं विदिशा के कुल 1900 गावों में 8.11 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में वार्षिक सिंचाई सुविधा के साथ-साथ 41 लाख आबादी को पेयजल की सुविधा भी प्राप्त होगी।

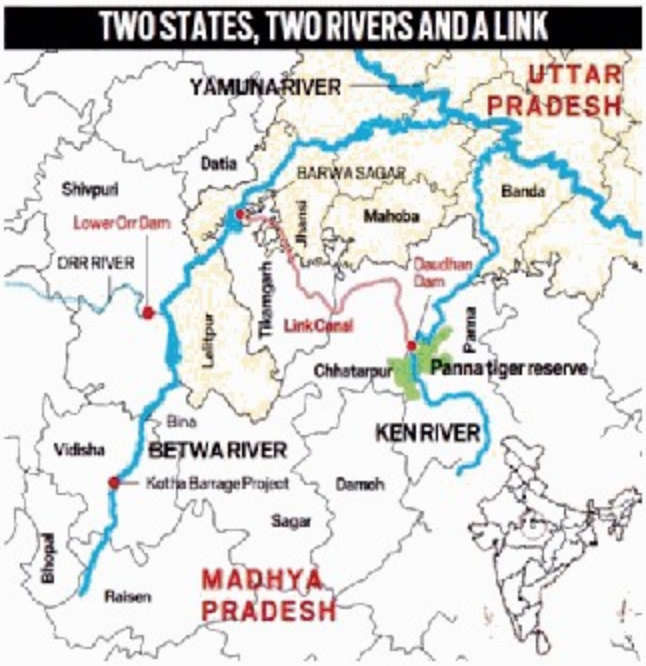

परियोजना के पहले चरण में मध्यप्रदेश में 6.05 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में वार्षिक सिंचाई व 41 लाख आबादी को पेयजल की सुविधा प्राप्त होगी। दो पावर हाउस 78 मेगावाट जल विद्युत तथा 27 मेगावाट सोलर विद्युत का उत्पादन होगा जिसका पूरा उपयोग मध्यप्रदेश द्वारा किया जायेगा। पावर हाउस निर्माण का व्यय मध्यप्रदेश द्वारा किया जावेगा। प्रथम चरण अन्तर्गत छतरपुर जिले में दौधन बांध, 221 कि.मी. लम्बी लिंक केनाल एवं दो नग 78 मेगावाट क्षमता के जल विद्युत गृह का निर्माण केन्द्र सरकार अन्तर्गत केन बेतवा लिंक परियोजना प्राधिकरण द्वारा कराया जा रहा है।

परियोजना के दौधन बांध के निर्माण हेतु रूपये 5,137 करोड़ लागत की निविदा स्वीकृति के अंतिम चरणों में है, बांध निर्माण 07 वर्षों में पूर्ण किया जाएगा। मध्यप्रदेश के 5 जिले छतरपुर, पन्ना, दमोह, टीकमगढ़, एवं निवाड़ी में लगभग 06 लाख 05 हजार वार्षिक सिंचाई क्षमता की प्रेशराईज्ड पाइप प्रणाली का निर्माण कार्य कराया जाएगा।

प्रेशराईज्ड पाइप प्रणाली के निर्माण हेतु 12210 करोड़ रूपये लागत की निविदाएं आमंत्रित की जा चुकी हैं, निर्माण कार्य 07 वर्षों में पूर्ण किया जाएगा। दौधन बांध के निर्माण से प्रभावित 22 ग्रामों के परिवारों के विस्थापन एवं पुनर्व्यवस्थापन हेतु मंत्री परिषद के अनुमोदन उपरांत एक विशेष पैकेज जिसमें 12.5 लाख प्रति हेक्टेयर के मान से भूमि हेतु जारी किया गया है।

दौधन बांध निर्माण प्रभावितों हेतु संबंधित कलेक्टर छतरपुर एवं कलेक्टर पन्ना द्वारा निजी भूमि के भू–अर्जन अवार्ड पारित किये जा चुके हैं। परियोजना से प्रभावित 22 ग्रामों के 6706 परिवार एवं 15623 जनसंख्या विस्थापित हो रही है। कलेक्टर छतरपुर द्वारा लगभग 150.71 करोड़ रूपये एवं पन्ना में 56.18 करोड़ का भुगतान किया जा चुका है, शेष निजी भूमि के भुगतान की कार्रवाई भी प्रक्रियाधीन है।

द्वितीय चरण में तीन परियोजनाओं की लागत राशि 6,720 करोड़ रुपये है। इन तीन परियोजनाओं से 2.06 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में सूक्ष्म सिंचाई पद्धति से वार्षिक सिंचाई एवं पेयजल की सुविधा सागर, रायसेन, विदिशा, शिवपुरी एवं दतिया जिले को प्राप्त होगी।

इससे से 25 मेगावाट विद्युत उत्पादन प्रस्तावित है।

तीनों परियोजनाओं में बांधों का औसत निर्माण कार्य 91% पूर्ण हो चुका है एवं औसत नहर कार्य लगभग 44.5% पूर्ण होकर प्रगति पर है।